6 तुम कल्पना करो

तुम कल्पना करो, नवीन कल्पना करो,
तुम कल्पना करो।

अब घिस गई समाज की तमाम नीतियाँ
अब घिस गई मनुष्य की अतीत रीतियाँ
हैं दे रही चुनौतियाँ तुम्हें कुरीतियाँ
निज राष्ट्र के शरीर के सिंगार के लिए
तुम कल्पना करो, नवीन कल्पना करो,
तुम कल्पना करो।

जंजीर टूटती कभी न अश्रु-धार से
दुख-दर्द दूर भागते नहीं दुलार से
हटती न दासता पुकार से, गुहार से
इस गङ्ग-तीर बैठ आज राष्ट्र-शक्ति की
तुम कामना करो, किशोर कामना करो,
तुम कामना करो।

जो तुम गए, स्वदेश की जवानियाँ गईं
चित्तौड़ के 'प्रताप' की कहानियाँ गईं
आजाद देश-रक्त की रवानियाँ गईं
अब सूर्य-चंद्र से समृद्धि, ऋद्धि-सिद्धि की
तुम याचना करो, दरिद्र याचना करो
तुम याचना करो।

© BSTBPC WEB COPY NOT TO BE PUBLISHED

Abdiel Solutions
Empowering Technologies

आकाश है स्वतंत्र है, स्वतंत्र मेखला
यह शृङ्ग भी स्वतंत्र ही खड़ा, बना, ढला
है जलप्रपात काटता सदैव शृंखला
आनन्द-शोक जन्म और मृत्यु के लिए
तुम योजना करो, स्वतंत्र योजना करो
तुम योजना करो।

–गोपाल सिंह 'नेपाली'

शब्दार्थ :

नवीन –	नया	**मेखला** –	करधनी, कमरबंद
कुरीतियाँ –	खराब रीति-रिवाज	**अश्रु-धार**–	आँसुओं की धार
दासता –	गुलामी	**कामना** –	इच्छा
रवानियाँ –	बहाव	**याचना** –	माँगना

प्रश्न-अभ्यास

पाठ से–

1. पाठ के आधार पर आप किस प्रकार की कल्पना कीजिएगा ?
2. 'राष्ट्र के शरीर' कहने से आपके मन में किसका चित्र आता है ?
3. चित्तौड़ के 'प्रताप' की कहानी हमें क्या सिखलाती है?
4. इस कविता के माध्यम से हमें क्या-क्या करने की बात कही गई है?
5. **नीचे लिखी गई पंक्तियों को पूरा कीजिए–**

   जंजीर टूटती कभी न अश्रु-धार से

   ....

   हटती न दासता पुकार से, गुहार से,

   ....

© BSTBPC NOT TO BE PUBLISHED
© BSTBPC NOT TO BE PUBLISHED
Abdiel Solutions Empowering Technologies

पाठ से आगे-

1. आकाश को स्वतंत्र क्यों कहा गया है?
2. कविता को पढ़ने के बाद अपने मन में कौन-सा भाव उत्पन्न होता है?
3. इस पाठ के प्रत्येक पद में एक-एक काम करने के लिए कहा गया है। उन्हें खोजिए और प्रत्येक के संबंध में पाँच पंक्तियाँ लिखिए।
4. इस कविता को पढ़ने से मेरा मन.........से भर गया। (प्रेम, श्रद्धा, उत्साह, देश-प्रेम) उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान को भरिए तथा चुने हुए शब्द के लिए अपना विचार दीजिए।

व्याकरण -

1. **र् के भिन्न-भिन्न रूपों का प्रयोग करते हुए पाँच-पाँच शब्द लिखिए -**

(क) उग्र ....

(ख) कर्म ....

(ग) ट्रक ....

2. **निम्नलिखित उपसर्गों से दो-दो शब्द बनाइए -**

प्र	-	प्रहार	प्रबल	परि	....	....
कु	-	....	....	पर	....	....
उप	-	....	....	स्व	....	....
अ	-	....	....	प्रति	....	....

यहाँ प्र, कु, उप, अ, परि, पर, स्व, प्रति इत्यादि शब्दांश शब्द के शुरू में जुड़कर शब्द के अर्थ में विशेषता लाते हैं। इस प्रकार के वाक्यांश **उपसर्ग** कहलाते हैं।

कुछ करने को-

1. आप एक अच्छे विद्यालय की कल्पना कीजिए और बताइए कि विद्यालय में क्या-क्या होना चाहिए?
2. आप अपने समाज की किन-किन प्रथाओं को समाप्त करना चाहते हैं और क्यों?

●●●

© BSTBPC WEB COPY -NOT TO BE PUBLISHED